

## Ram Lakshman Parshuram Samvad Previous Year Questions (with model answers)

**प्रश्न 1 – ‘लक्ष्मण द्वारा परशुराम को चुनौती देने के क्या कारण थे?’ अपने शब्दों में पाठ के आधार पर लिखिए। [CBSE 2024]**

**उत्तर** – लक्ष्मण का चरित्र श्रीराम के चरित्र के बिलकुल विपरीत था। जहाँ श्री राम का स्वभाव शांत, सरल व् विनम्र था वहीं दूसरी ओर लक्ष्मण का स्वभाव उग्र एवं उद्दंड था। लक्ष्मण द्वारा परशुराम जी को चुनौती देने का मुख्य कारण परशुराम जी का शिव धनुष तोड़ने वाले को दंड देने की बात करना था। उनके अनुसार श्री राम ने धनुष नहीं तोड़ा था बल्कि वो तो उनके छूने मात्र से ही टूट गया था इसमें श्रीराम की कोई गलती नहीं थी।

**प्रश्न 2 – परशुराम ने किसकी तुलना सहस्रबाहु से की और क्यों? [CBSE 2024]**

**उत्तर** – परशुराम जी ने शिव जी के धनुष को तोड़ने वाले की तुलना सहस्रबाहु से की। क्योंकि परशुराम जी शिव जी के बहुत बड़े भक्त थे। उनके अनुसार शिव जी के धनुष को तोड़ना अर्थात् शिव जी का अपमान करना है। एक सेवक न तो अपने प्रभु का अपमान करता है और न ही किसी के द्वारा अपने प्रभु के अपमान को सहन करता है। परशुराम जी ने सहस्रबाहु द्वारा उनके पिता के अपमान व् कामधेनु को चुराने के दंड स्वरूप उसका वध किया था और वे चाहते थे कि जिसने भी शिव जी का धनुष तोड़ा है वह स्वयं ही सामने आ जाए ताकि वे उसे भी सज़ा दे सकें।

**प्रश्न 3 – राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में परशुराम के क्रोध का क्या कारण था? उन्होंने आते ही क्रोध में क्या माँग की? क्या आपको उनका क्रोध उचित प्रतीत होता है? तर्क संगत उत्तर दीजिए। [CBSE 2023]**

**उत्तर** – राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में परशुराम के क्रोध का कारण शिव धनुष का तोड़ा जाना था। श्री राम जी के द्वारा शिव धनुष तोड़े जाने के कारण जब परशुराम जी क्रोधित हो जाते हैं और सभा में सभी को ललकारते हुए कहते हैं कि जिसने भगवान शिव जी के इस धनुष को तोड़ा है, वह सहस्रबाहु के समान उनका शत्रु है। फिर वे राजसभा की तरफ देखते हुए कहते हैं कि जिसने भी शिव धनुष तोड़ा है वह व्यक्ति खुद बखुद इस समाज से अलग हो जाए, नहीं तो सभा में उपस्थित सभी राजा मारे जाएँगे।

**प्रश्न 4 – “अल्पवयस बालक बुजुर्गों को छेड़कर आनंदित होते हैं” – ‘राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद’ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [CBSE 2020]**

**उत्तर** – “अत्पवयस बालक बुजुर्गों को छेड़कर आनंदित होते हैं” – ‘राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद’ के आधार पर स्पष्ट होता है क्योंकि लक्ष्मण भी परशुराम जी को छेड़ते हुए उनपर व्यग्यात्मक बातों की बौछार करते हैं। परशुराम जी की हर बात को लक्ष्मण जी मजाक में उड़ाते हैं और उनके क्रोध को व्यर्थ बतलाते हैं। बात-बात पर परशुराम जी को कायर कहकर चिढ़ाते हैं।

**प्रश्न 5 – परशुराम विश्वामित्र से लक्ष्मण की शिकायत किन शब्दों में करते हैं ? [CBSE 2020]**

**उत्तर** – लक्ष्मण जी की व्यंग्य भरी बातों को सुनकर परशुराम जी को और क्रोध आ गया और वह विश्वामित्र से बोले कि हे विश्वामित्र ! यह बालक (लक्ष्मण) बहुत कुबुद्धि और कुटिल लगता है और यह काल (मृत्यु) के वश में होकर अपने ही कुल का घातक बन रहा है। यह सूर्यवंशी बालक चंद्रमा पर लगे हुए कलंक के समान है। यह बालक मूर्ख, उदंप्ड, निडर है और इसे भविष्य का भान तक नहीं है। अभी यह क्षणभर में काल का ग्रास हो जाएगा अर्थात् मैं क्षणभर में इसे मार डालूँगा। मैं अभी से यह बात कह रहा हूँ, बाद में मुझे दोष मत दीजिएगा। यदि तुम इस बालक को बचाना चाहते हो तो, इसे मेरे प्रताप, बल और क्रोध के बारे में बता कर अधिक बोलने से मना कर दीजिए।

**प्रश्न 6 – लक्ष्मण ने धनुष टूटने के किन कारणों की संभावना व्यक्त करते हुए राम को निर्दोष बताया? [CBSE 2019]**

**उत्तर** – परशुराम जी का शिव धनुष की ओर इतना प्रेम देखकर और उसके टूट जाने पर अत्यधिक क्रोधित होता हुआ देख कर लक्ष्मण जी हँसकर परशुराम जी से बोले कि हे देव ! सुनिए , मेरी समझ के अनुसार तो सभी धनुष एक समान ही होते हैं। लक्ष्मण श्रीराम की ओर देखकर बोले कि इस धनुष के टूटने से क्या लाभ है तथा क्या हानि, यह बात मेरी समझ में नहीं आ रही है। श्री राम जी ने तो इसे केवल छुआ था, लेकिन यह धनुष तो छूते ही टूट गया। इसमें श्री राम जी का कोई दोष नहीं है। इस तरह के तर्क दे कर लक्ष्मण जी ने परशुराम जी के क्रोध को अकारण बताया।

For the complete set of previous year questions of Ram Lakshman Parshuram Samvad, [Click Here](#)

Ram Lakshman Parshuram Samvad Summary, Word meanings, [Click Here](#)

Ram Lakshman Parshuram Samvad Important Questions, [Click Here](#)

Kshitij Bhag 2 Book Word meanings of all lessons, [Click Here](#)

Kshitij Bhag 2 Book Character Sketches, [Click Here](#)